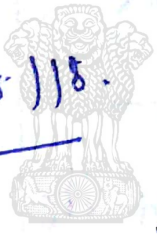


2315/118.




सत्यमेव जयते

Web Copy - Not Official

पक्षावली " पाप प्रापरे वर
शिबिर सिंघाना मे प्रसुत इति।
चोक्षि मे प्रमाण उस प्रवार है।
प्राप्ति भगवाना राम उन श्री नारायणराज
ने धारा - 130. ~~हिंसा~~ के तहत
प्राप्ति - एक प्रसुत किछ नरा घट

तब उस विषय कि बालपुत्र के
 उनके उसी धरेलु नाम पप्पुराम के
 जाना जाना था। पिता के स्वयं
 के पप्पुराम शमरुब शमिलेस में
 पप्पुराम नाम अंकित हो गया है
 जगति अथ सती राजकीप शमिलेसों
 में उचता राम ~~समिलेस~~ भगवारा राम
 5/6 नारायण राम अंकित है उचता सती
 में करवावेजों की सुनियों भी उचता
 क गई। करवावेजों का अकरोबन बिकरु
 भवमे धाम में जाई की गई।
 उचता के उचता पब रबीबार सिधे
 नामे योज्य पाया गया। उचता
 शिंपाम के राजाव शमिलेस में
 उचता की राजाव श्रुति 134, 136
 व 137 के नाम पप्पुराम के राजा पर
 भगवारा राम 5/6 नारायण राम विवे नामे
 का अदेश दिया जाता है उचताव
 शिंपाम तबत शमिलेस अंगोपक कर
 पालना रिपोर्टे पेश हो परावनी
 शमिलेस शुमार वेरा संस की वस धर
 सिधे उचते नारायण के शिंपाम
 अथ सेवा वेत पर उचता मया


 आयुक्त कम्प्लेक्स
 डीडवाना